भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, मुख्यालय - ग्वालियर से संचालित

दैनिक पर्यटन समाचार

IITTM पर्यटन शिक्षा संस्कृति रक्षा

दिनांकः रविवार 04 जुलाई 2021 | संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं | पृष्ठ 1

"जो अपने कदमों पर विश्वास रखते हैं, वो ही अक्सर मंज़िल पर पहुँचते हैं...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष अंक में हम, इस सप्ताह संस्थान द्वारा आयोजित हुए विभिन्न कार्क्रमों की जानकारी देने जा रहे हैं।

सप्ताह की शुरुआत 'साहसिक पर्यटन' विषय पर दो दिवसीय (29 व 30 जून 2021) ऑनलाइन कार्यशाला से हुई। कार्यशाला के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं में साहसिक पर्यटन से जुड़े, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री विश्वास मखीजा, ऐरो क्लब ऑफ इंडिया से कैप्टेन पंकुल माथुर, लवासा सिटी के महाप्रबंधक श्री सेडविन मेन्ज़ेस एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्कीइंग एंड माउंटेनियरिंग (आईआईएसएम), गुलमर्ग से कर्नल जे. एस. ढिल्लन उपस्थित रहे। वहीं कार्यशाला के दूसरे व अंतिम दिन आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ता रहे पद्मश्री अजीत बजाज (निदेशक, स्नो लेपर्ड एडवेंचर्स प्रा. लिमिटेड), श्री गुरप्रीत ढींडसा (पैराग्लाइडिंग - गुरुकुल), श्री वेंकटेश चार्लू (निदेशक, बाराकुडा डाइविंग) एवं ब्रिगेडियर अशोक ऐबी (अध्यक्ष, इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन - आईएमएफ)। दो दिन चली इस कार्यशाला में आमंत्रित वक्ताओं द्वारा साहसिक पर्यटन को लेकर अपने अनुभव साझा किये गए और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने किए लिए सरकार व हितधारकों के एक साथ मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला के समापन पर निदेशक प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा ने इस कार्यशाला को सभी के लिए एक ज्ञानवर्धक बताया और संस्थान द्वारा देश में साहसिक पर्यटन को बढ़ाने के लिए किये जा रहे अपने कार्यों का जिक्र भी किया।

दैनिक भास्कर

डीबी स्टार ग्वालियर 02-07-2021

युवाओं को दी माउंट एवरेस्ट के अभियान की जानकारी

ग्वालियर | DBStar

अब युवाओं का रुझान माउंट एवरेस्ट चढ़ने की तरफ भी बढ़ा है। इसलिए माउंट एवरेस्ट एक्सपिडिशन की जानकारी उन्हें देना जरूरी है। किस तरह वे बेस कैंप में शामिल हो सकते हैं और माउंट एवरेस्ट चढ़ने का सपना पूरा कर सकते हैं। उनके पास किन माउंटेनियरिंग संस्थानों से कोर्स करने की सुविधा है। यह बात पद्मश्री अजीत बजाज ने कही। वे आईआईटीएम द्वारा एडवेंचर स्पोर्ट्स पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन पर बोल रहे थे। इस मौके पर लवासा सिटी के महाप्रबंधक सेडविन मेंजेस ने कहा कि लवासा के साथ वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी को और बढ़ाया जा सकता है। एक्सपर्ट वेंकटेश ने कहा कि स्कूबा डाइविंग सर्विस देने वाले प्रोवाइडर्स को और अधिक सुविधा देने की जरूरत है। ऐरो क्लब ऑफ इंडिया के कैप्टन पंकुल माथुर ने कहा कि अनुभवों से सीख लेने की जरूरत है। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे।

आइआइटीटीएम में कार्यशाला

खोले जाने चाहिए हिमालय में बंद खूबसूरत स्थल

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ग्वालियर ◆ आइआइटीटीएम में 'साहसिक पर्यटन एडवेंचर टूरिज्म' विषय पर आयोजित कार्यशाला में स्पीकर पद्मश्री अजीत बजाज ने दक्षिणी ध्रुव, उत्तरी ध्रुव और ग्रीनलैंड पर स्कीइंग को लेकर अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने अपने माउंट एवरेस्ट के अनुभव को भी साझा किया और उदाहरण के साथ साहसिक पर्यटन में 7 सिग्मा और 6 जीएस के बारे में चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने साहसिक पर्यटन के लिए राष्ट्रीय पर्यटन नीति, हिमालय में बंद खूबसूरत स्थलों को खोलने और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

भूमिआधारित साहसिक गतिविधियों की जननी है पर्वतारोहण

गुरप्रीत ढींडसा, पैराग्लाइडिंग गुरुकुल ने भारत में पैराग्लाइडिंग के दायरे को साझा किया कि कैसे भारत में पैराग्लाइडिंग लोकप्रिय हो रही है। वेंकटेश चार्लू, निदेशक बाराकुडा डाइविंग द्वारा भारत में मनोरंजक स्कूबा डाइविंग उद्योग की चुनौतियों और संभावित समाधानों पर जोर दिया गया। उन्होंने यात्रा के मुद्दों और नियामक मुद्दों के बारे में चर्चा की। ब्रिगेडियर अशोक ऐबी, अध्यक्ष आइएमएफ ने कहा कि पर्वतारोहण सभी भूमि आधारित साहसिक गतिविधियों की जननी है। उन्होंने साहस, अवसरों, चुनौतियों, सुरक्षा, सुरक्षा उपायों, पर्वतारोहण उपकरणों के मानकीकरण, जोखिम शमन, प्रशिक्षित जनशक्ति और साहसिक पर्यटन स्थलों के प्रचार और विपणन के लिए सरकारी हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला।

संपादक मण्डल - डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. चन्द्रशेखर बरूआ. समाचार संग्रह व प्रस्तुति-मयंक दुबे. डिजाइन - दीपक मित्तल

आईआईटीटीएम भुवनेश्वर केंद्र द्वारा "भारत में यात्रा और पर्यटन उद्योग में अवसरों के लिए कैरियर परामर्श" विषय पर वेबिनार श्रृंखला के हिस्से के रूप में, डॉ. स्वजन के समन्वयन में 30 जून 2021 को विवेकानंद डिग्री कॉलेज, करीमनगर, तेलंगाना / 01 जुलाई 2021 को सेंट जोसेफ मैरी पब्लिक स्कूल, कोलकाता, पश्चिम बंगाल और 02 जुलाई 2021 को बिशप स्कॉट सीनियर माध्यमिक बालिका विद्यालय, पटना, बिहार के छात्रों के साथ वेबिनार आयोजित किये गए। सभी वेबिनार बहुत ही सफल रहे एवं छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा बहुत सराहे गए, कई इच्छुक छात्रों ने वेबिनार के माध्यम से अपनी शंकाओं का समाधान किया।

मुख्यालय ग्वालियर द्वारा भी पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कैरियर परामर्श को लेकर कई स्कूलों के साथ वेबिनार आयोजित किये गए जिसमें डॉ. चंद्र शेखर बरुआ द्वारा छात्रों के प्रश्नों के समुचित जबाब दिए गए और उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

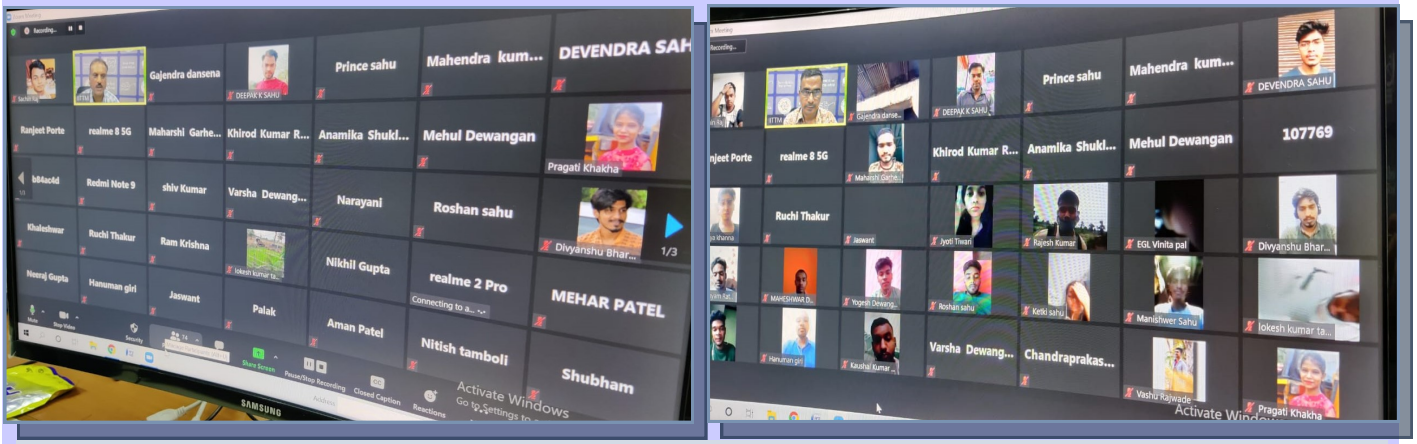

महत्वपूर्ण सूचना: आईआईटीटीएम में बीबीए (टूरिज्म एंड ट्रेवल) और एमबीए (टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट) में प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2021 तक बढ़ा दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत महामारी के बाद सस्टेनेबल टूरिज्म (सतत / स्थायी पर्यटन) पर दो दिवसीय (01 व 02 जुलाई 2021) वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सस्टेनेबल टूरिज्म के क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रतिभावान विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था जिनमें कार्यशाला के प्रथम दिन प्रमुख रूप से श्री स्टीव बोर्गिया (सीएमडी - इंडेको लेज़र होटल्स, पूर्व अध्यक्ष - रेस्पोंसिबल सोसाइटी ऑफ इंडिया), श्री सी. बी. रामकुमार (बोर्ड डायरेक्टर - ग्लोबल सस्टेनेबल टूरिज्म कॉउन्सिल (जीएसटीएस)), श्री एस. एस. राजपूत (आईएफएस, पूर्व निदेशक - वन विभाग भोपाल एवं सदस्य - रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी, मध्य प्रदेश), प्रो. आशुतोष मोहंती (प्रोफेसर एवं डायरेक्टर - सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन डिजास्टर मैनेजमेंट एंड एनवायरनमेंट), सुश्री सोइटी बनर्जी (प्रोजेक्ट एडिटर - आउटलुक रेस्पोंसिबल टूरिज्म इनिशिएटिव, इंडिया) उपस्थित रहे। कार्यशाला के दूसरे व अंतिम दिन आमंत्रित वक्ताओं में श्री सिद्धांत दास (चेयरमैन - ओडिशा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी), सुश्री शोबा मोहन (संस्थापक - रेयर इंडिया, द डोप एम्बेसडर फॉर सस्टेनेबल ट्रेवल), श्री कुमार अनुभव (समाजसेवी एवं संस्थापक - नॉट ऑन मैप), श्री जीत सिंह आर्य (संस्थापक - अनएक्सप्लोरेड बस्तर) एवं श्री के. रूपेश कुमार (स्टेट रेस्पोंसिबल टूरिज्म मिशन कोऑर्डिनेटर, पर्यटन विभाग, केरल सरकार) रहे।

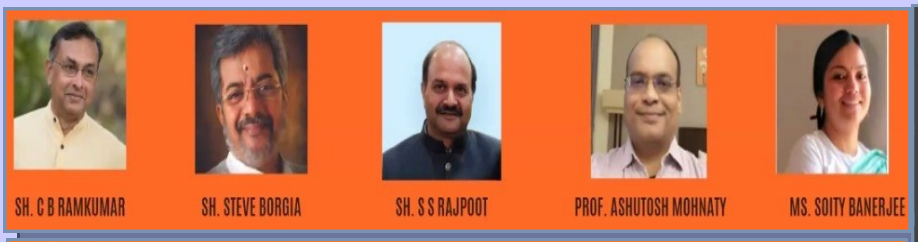

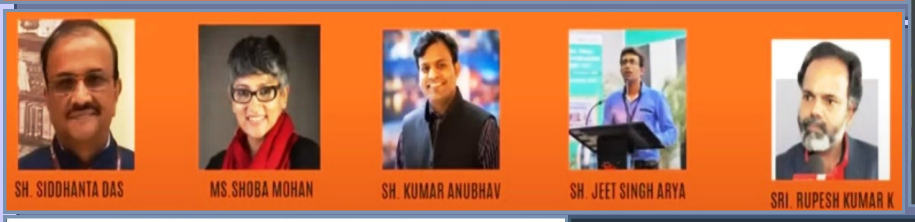

दैनिक भास्कर

ईको टूरिज्म में बेहतर संभावनाएं: स्टीव

सिटी रिपोर्टर | कोरोना संक्रमण की वजह से पर्यटन में बदलाव आया है। अब लोगों का रुझान ईको टूरिज्म की तरफ बढ़ेगा। यह ऐसा टूरिज्म है, जो हमें रहने और जीने का तरीका भी बताता है। यह बात होटल लेजर के सीएमडी स्टीव बोर्गिया ने कही। वे आईआईटीटीएम द्वारा ईको टूरिज्म पर शुरू हुई ऑनलाइन कार्यशाला में बोल रहे थे। कार्यशाला में एक्सपर्ट अनुभव कुमार ने कहा कि आने वाले समय में हमें अपनी स्ट्रेटजी का तरीका भी बदलना होगा। वहीं जीत सिंह आर्य ने कहा कि एडवेंचर जोन के प्रति भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटीटीएम डायरेक्टर प्रो. आलोक शर्मा ने की।

पत्रिका PLUS 08 पत्रिका ग्वालियर, शनिवार, 03 जुलाई, 2021

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूर एंड ट्रेवल मैनेजमेंट में वेबिनार में स्पीकर ने कहा

टूरिस्ट को फॉरेस्ट के पास उपलब्ध सुविधाओं के साथ बिठाना होगा सामंजस्य, नेचर को समझें

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ग्वालियर ♦ टूरिस्ट जब ईको पर्यटन स्थल पर जाते हैं, तो उन्हें फॉरेस्ट के पास उपलब्ध सुविधाओं के साथ ही सामंजस्य बिठाना होगा, जिससे प्रकृति को कोई नुकसान ना हो। ईको टूरिज्म को नेचर ट्रेल्स के लिए गाइड्स की जरूरत होती है, जो अवेलेबल हैं। याद रखें ईको टूरिज्म मनोरंजन के लिए नहीं, प्रकृति संरक्षण को वरीयता देने के लिए है। यह बात ओडिशा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी के चेयरमैन सिद्धांत दास ने नेशनल वेबिनार में कही। यह वेबिनार इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूर एंड ट्रेवल मैनेजमेंट (आइआइटीटीएम) की ओर से आयोजित हुआ। इसका विषय 'सस्टेनेबल एंड ईको टूरिज्म' रखा गया। इसमें देशभर के पर्यटन से जुड़े एक हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया।

ये भी कहा

- उद्योग को अब पुनर्योजी पर्यटन पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह अनियोजित विकास के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है।
- सस्टेनेबिलिटी पर्यावरणीय के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं को भी शामिल करती है।
- स्थायी पर्यटन विकास पर मॉडल बनाते समय जनसांख्यिकी और सामाजिक सांस्कृतिक कारकों के संबंध में गंतव्यों के बीच विविधता को समझने की जरूरत है।
- होम स्टे जैसे पर्यटन उद्यमों में महिलाओं को शामिल करना आवश्यक है।

नियम आधारित मानसिकता की ओर बढ़ने की आवश्यकता

नॉट ऑन मैप के संस्थापक कुमार अनुभव ने कहा कि मनुष्य सुविधाजनक मार्ग चुनता है। जबकि आज सुविधाजनक आधारित मानसिकता से नियम आधारित मानसिकता की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। हमें सस्टेनेबल पॉलिसी के मानकों को पूरा करने वाले राज्यों से सीखना चाहिए। प्रत्येक गांव में नियम पुस्तिका का रख-रखाव और शुल्क वसूल किया जाना चाहिए। स्थानीय समुदाय को खुद से पूछना चाहिए कि अगले पांच साल में उन्हें क्या नहीं करना चाहिए और स्थायी पर्यटन में हरियाली के स्पेक्ट्रम का एक पैमाना होना चाहिए।

जिम्मेदार यात्री के साथ जिम्मेदार नागरिक भी बनें

रेयर इंडिया द डोप एम्बेसडर फॉर सस्टेनेबल ट्रेवल की संस्थापक शोबा मोहन ने कहा कि ईको टूरिज्म में बदलाव अगली पीढ़ी के माध्यम से लाया जा सकता है। एक यात्री को न केवल जिम्मेदार यात्री, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक भी होना चाहिए। भारत को आकर्षण की विविधता के साथ एक स्थायी गंतव्य होना चाहिए और इसकी सराहना भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा जंगल बाघों का पीछा करने के लिए नहीं होते। पर्यटन हमेशा लोगों को बनाए रखेगा, जो इससे जुड़े हुए हैं।

स्थायी पर्यटन को लागू करने की जरूरत

पर्यटन विभाग के स्टेट रेस्पांसिबल टूरिज्म मिशन को-ऑर्डिनेटर के रूपेश कुमार ने केरल रेस्पांसिबल टूरिज्म मिशन की सफलता पर कहा कि जिम्मेदार पर्यटन मिशन को गंभीर मुद्दों का सामना करना पड़ा, क्योंकि केरल में दोहराने के लिए कोई मॉडल नहीं है। दरअसल नीति स्तर के निर्णय की आवश्यकता है। स्थायी पर्यटन को लागू करने की आवश्यकता है।

सस्टेनेबल पर्यटन के लिए 'पर्यटन मित्र' की आवश्यकता

अनएक्सप्लोरेड बस्तर के संस्थापक जीत सिंह आर्य ने कहा कि स्थायी सस्टेनेबल पर्यटन के लिए जमीनी स्तर पर हितधारकों की पहचान और 'पर्यटन मित्र' के निर्माण की आवश्यकता होती है। स्थानीय समुदायों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का बहुत महत्व है। संगठन वकालत में स्थानीय समुदाय को भी शामिल कर रहा है।

स्वदेश

घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर

ग्वालियर, न.सं.

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) में शुक्रवार को दो दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने वक्ताओं का स्वागत किया गया। कार्यशाला समन्वयक डॉ. साबिर हुसैन ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यशाला में स्टीव बोर्गिया ने बताया कि कैसे सतत् विकास प्रकृति में लोगों पर केन्द्रित होना चाहिए। उद्योग को अब पुनर्योजी पर्यटन पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह अनियोजित विकास के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एस.एस. राजपूत ने कहा कि जनसांख्यिकी और सामाजिक, सांस्कृतिक कारकों के संबंध में गंतव्यों के बीच विविधता को समझने की जरूरत है। सुश्री सोइटी बनर्जी ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने और पंचायतों को क्षेत्र के पर्यटन विकास में अधिक मुखर होने के लिए सशक्त बनाने के द्वारा एक महामारी के बाद की दुनिया में स्थिरता पर ध्यान केन्द्रित किया। उन्होंने होम स्टे जैसे पर्यटन उद्यमों में अधिक महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता भी बताई। कार्यशाला के अंतिम दिन सिद्धांतदास ने बताया कि ईको टूरिज्म जिम्मेदार एक यात्रा है, जिसमें स्थानीय लोग, पर्यावरण संरक्षण शामिल हो। यदि कोई पर्यटक किसी ईको-पर्यटन स्थल पर जाता है तो उसे वन के पास उपलब्ध सुविधा योजना के साथ समायोजित करना होगा। इस मौके पर कुमार अनुभव, जीतसिंह आर्य, के. रूपेश कुमार एवं प्रो. आलोक शर्मा ने अपने-अपने विचार रखे। संचालन डॉ. अदिति चौधरी ने किया।

नईदुनिया

आइआइटीटीएम की कार्यशाला का समापन

ग्वालियर (नप्र)। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान में चल रही दो दिवसीय कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हुआ। इस कार्यशाला को महामारी के बाद सस्टेनेबल टूरिज्म (सतत / स्थायी पर्यटन) विषय दिया गया। इसमें सस्टेनेबल टूरिज्म के क्षेत्र में कार्य कर रहे वक्ताओं का संबोधन हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने वक्ताओं का स्वागत किया। समन्वयक डा. साबिर हुसैन (प्रधान अधिकारी, भुवनेश्वर केंद्र) ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी । अंतिम दिन स्टीव बोर्गिया (सीएमडी इंडेको लेजर होटल्स) ने कार्यशाला की शुरुआत की। उन्होंने उन्होंने बताया कि कैसे सतत विकास प्रकृति पर केंद्रित होना चाहिए। उद्योग को अब पर्यटन पर भी हमें ध्यान देना चाहिए।

दिनांक: रविवार 04 जुलाई 2021 **दैनिक पर्यटन समाचार** पृष्ठ 4

शनिवार 03 जुलाई 2021 को भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) द्वारा संचालित पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के इनक्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट फैसिलिटेटर सर्टिफिकेट (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम की द्वितीय बेसिक कोर्स की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई, जिसमे देश भर से 1413 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, आईआईटीएफसी कार्यक्रम से जुड़े सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

पीपुल्स समाचार

आईआईटीएफसी की दूसरी बेसिक कोर्स की ऑनलाइन परीक्षा हुई

ग्वालियर। भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) द्वारा इनक्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट फैसिलिटेटर सर्टिफिकेट आईआईटीएफसी कार्यक्रम की द्वितीय बेसिक कोर्स की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में देश भर से 1413 प्रतिभागियों ने भाग लिया। परीक्षा में आईआईटीएम मुख्यालय ग्वालियर में गार्ड के पद पर कार्यरत द्वारिका चतुर्वेदी ने भी हिस्सा लिया जो कि अपनी ड्यूटी के साथ-साथ इस परीक्षा की तैयारी भी कर रहे थे। उन्होंने आईआईटीएफसी कार्यक्रम को बेहद ही महत्त्वपूर्ण बताते हुए भविष्य में पर्यटन को बहुत तेज गति से फिर से वापस आने की उम्मीद जताई है। संस्थान में कार्य करने के दौरान ही द्वारिका ने कई लघु अवधि सर्टिफिकेट कोर्स व ट्रेनिंग कोर्स भी किये हैं। पारिवारिक परिस्थितियों के चलते वे उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके परंतु पढ़ाई में उनकी दिलचस्पी उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। इस अवसर संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. आलोक शर्मा ने आईआईटीएफसी कार्यक्रम से जुड़े सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

City भास्कर

आईआईटीएफसी की परीक्षा आयोजित

सिटी रिपोर्टर | इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट ने इनक्रेडिबल इंडिया टूरिस्ट फैसिलिटेटर सर्टिफिकेट (आईआईटीएफसी) के दूसरे बेसिक कोर्स की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की। इसमें 1413 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रविवार 04 जुलाई 2021 को 'एक जिम्मेदार पर्यटन भविष्य का निर्माण, टीजीएफ और पर्यटन विद्वानों की भूमिका (दर्शन और व्यवहार)' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता महाराष्ट्र, भारत और दुनिया के कई देशों में प्रशिक्षण, शिक्षण, प्रशासन, प्रबंधन, पर्यटन के संगठन और संबद्ध मामलों में 26 साल के अनुभवी **श्री चंद्रशेखर जायसवाल (डीजीएम - महाराष्ट्र टूरिज्म डेवेलोपमेंट कोऑपरेशन, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई)** ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया और पर्यटक गाइड को किसी भी पर्यटन गंतव्य के विकास में अति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में उनके महत्त्व को बताया।

एडमिशन को लेकर अधिक जानकारी के लिए विजिट करें हमारी वेबसाइट www.iittm.ac.in

महान दार्शनिक, ओजस्वी वक्ता, युग प्रवर्तक एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत
स्वामी विवेकानंद जी
की पुण्यतिथि पर
शत् शत् नमन।

मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा	मूल्य ₹
1 USD (US$)	74.53
1 EURO (€)	88.44
1 GBP (£)	103.06
1 JPY (¥)	0.672
1 AUD (A$)	56.18

(##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

आप 'दैनिक पर्यटन समाचार' में पर्यटन विषय पर अपने लेख/विचार एवं अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिये हमें संपर्क कर सकते हैं। ईमेल द्वारा: social@iittm.ac.in व्हाट्सएप द्वारा: +91 70427 30070

आपका दिन शुभ हो...।

@IITTMHQ @iittmhq IITTMHeadquarter

अस्वीकरण: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादमिक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्त्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादमिक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।